देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध

सत्र – 2017–18

प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा योजना

1. प्रथम प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक)	पूर्णांक – 85 सीसीई – 15	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 28
2. द्वितीय प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक)	पूर्णांक – 85 सीसीई – 15	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 28
3. तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक)	पूर्णांक – 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 40
4. चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक)	पूर्णांक – 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 40
चतुर्थ सेमेस्टर –इन्टर्नशिप	पूर्णांक – 100	

18-7-17

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र –2017–18

एम.ए. (वाद्य संगीत) प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85

सीसीई – 15

भारतीय संगीत के सामान्य एवं व्यावहारिक सिद्धांन्त।

इकाई 1

निम्नलिखित रागों का सैद्धान्तिक एवं तुलनात्मक अध्ययन–

(1) श्याम कल्याण (2) पूरिया कल्याण (3) देवगिरी बिलावल

(4) यमनी बिलावल (5) बागेश्री (6) रागेश्री (7) मारूबिहाग

इकाई– 2

(अ) प्रायोगिक हेतु निर्धारित रागों की गतो का स्वरलिपि लेखन ।

इकाई– 3

निम्नलिखित रागांगो का विस्तृत अध्ययन–

(1) कल्याण (2) बिलावल

इकाई 4

(अ) घरानों का उद्गम एवं विकास

(ब) भारतीय वाद्य संगीत के प्रमुख घरानों का अध्ययन एवं विशेषताएँ–

रौनिया घराना, इमदाद खां घराना, रामपुर घराना, मैहर घराना।

(स) निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण वर्णन दुगुन, तिगुन व चौगुन की लयकारिया सहित–

(1) विष्णुताल (2) विक्रम ताल

इकाई– 5

निम्नलिखित विषयों पर निबंध–

(1) संस्थागत संगीत शिक्षण

(2) जीवन में संगीत का स्थान

(3) संगीत में ताल का महत्व

(4) शास्त्रीय संगीत का भविष्य।

(5) राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना में संगीत की भूमिका

(6) संगीत और आध्यात्म

18.7.17

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र –2017–18

एम.ए. (वाद्य संगीत) प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85
सीसीई – 15

भारतीय संगीत का इतिहास एवं सौंदर्य शास्त्र।

इकाई– 1

(अ) भारतीय संगीत की उत्पत्ति एवं विकास के संबन्ध में विद्वानो के विभिन्न मत।

(ब) प्रचलित वादन शैलियो का अध्ययन।

(स) भारतीय तंत्रवाद्यो का स्थान एवं विषय वस्तु में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्राचीन से लेकर आधुनिक काल तक का वर्णन।

इकाई– 2

(अ) रामायण एवं महाभारतकाल में संगीत का विकास।
(ब) पुराणकालीन, स्मृति ग्रंथो में संगीत की जानकारी।

इकाई– 3

आचार्य भरत कृत "नाटयशास्त्र" की जानकारी पं. शारंगदेव कृत **"संगीत रत्नाकार ग्रंथ"** स्वराध्याय व प्रबंधाध्याय की जानकारी ।

इकाई– 4

(अ) सौन्दर्य एवं रस की परिभाषा, उसके प्रकारो का अध्ययन
(ब) संगीत में निहित सौन्दर्य–तत्वों का अध्ययन, स्वर ,राग, गत, लय का सौन्दर्य

इकाई– 5 (1) कला की परिभाषा

(2) ललित कला के प्रकारों की जानकारी।

(3) कला एवं सौन्दर्य का पारस्परिक संबंध।

18-7-17

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र –2017–18

एम.ए. (वाद्य संगीत) प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक)

पूर्णांक – 100

राग वादन एवं मौखिक परीक्षा।

इकाई– 1

निम्नलिखित रागों में से किन्हीं दो रागों में विलम्बित एवं द्रुतगत आलाप–तान सहित एवं शेष सभी रागों में केवल द्रुतगत का वादन–

(1) श्याम कल्याण (2) पूरिया कल्याण (3) देवगिरी बिलावल
(4) यमनी बिलावल (5) बागेश्री (6) रागेश्री (7) मारूबिहाग

इकाई– 2

उपर्युक्त निर्धारित रागों में से एक धुन व गत रचना।

इकाई– 3

उपर्युक्त सभी रागों (कुल सात) की मौखिक परीक्षा ।

इकाई– 4

निम्नलिखित तालों का हाथ से प्रदर्शन–

(1) विष्णुताल (2) विक्रम ताल

एम.ए. (वाद्य संगीत) प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक द्वितीय)

पूर्णांक – 100

मंच प्रदर्शन

इकाई– 1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किसी एक राग का विलम्बित एवं द्रुतगत का वादन।

इकाई– 2

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से से परीक्षक द्वारा दिये गये राग में द्रुतगत का आलाप–तान सहित वादन।

इकाई– 3

किसी एक गीत प्रकार का वादन–

1) भजन (2) देशभक्तिगीत (3) गीत (4) लोकगीत (4) धुन

18-7-17